कीमतें क्यों बढ़ती हैं?

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः शुद्धसत्व बासु

यह किताब

....

की है।

dFkk d fo"k; e

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

Copyright © KATHA

कीमतें क्यों बढ़ती हैं?

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः शुद्धसत्व बासु

KATHA

Copyright © KATHA

dkj.k 1

fiNys lky vki 10: ifr fdyks pkoy
[kjhn jgs FkA ij] bl lky vkidks
,d fdyks pkoy ds fy, 15: nus iM+
jgs gSA gj pht+ dh dher c<+ jgh gSA
vFkZ'kkL=h bls eqnzkLQhfr dgrs gSaA
D;k rqeus dHkh lkspk gS fd dhersa D;ksa
c<+rh gSa\ vkvks] bu rhu vklku dkj.kksa
ls ge bl ckr dks le>saA

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

bl lky] pkj fdlkuksa us dgk ^^fiNys
lky T;knk egsur djus ds dkj.k] ge
viuas cPpksa ds lkFk le; ugha fcrk
ik,A bl lky de dke djsaxs] D;k
gvk vxj de iSls dek,saxsA rks bl
lky lc fdlkuksa us feydj dsoy 80
fd xzk pkoy dh iSnkokj dhA

cktkj esa pkoy dh
deh gS --- rks dher sa
c<+ xbZA

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

dkj.k 2

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

dkj.k 3

rEgkj xko e rhl
ifjokj gA

bl lky pkj vkj ifjokj vkdj]
vkid xko e cl x,A tk cgr
vehj gA ndkunkj lkprk g] tc
; ifjokj pkoy dh T;knk dher
n ldr g rk D;k u vf/kd ils
dek, tk,A vkj ijs xko d fy,
dher c< tkrh gA

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

xhrk /kejkt u बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करती हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया विश्वविद्यालय* की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकी हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

'k) lRo cklq जाने–माने चित्रकार हैं और एनीमेशन फिल्मस बनाते हैं। *कथा* द्वारा प्रकाशित *एक स्केयरक्रो का गीत* पुस्तक के लिए इन्हे चित्रकथा पुरस्कार से सन् 2002 में सम्मानित किया गया साथ ही ब्राटिसलावा सन् 2003 के चित्रांकन प्रतियोगिता में इनका विशेष उल्लेख किया गया था।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

चावल की पैदावार और जिस मूल्य पर वह बिकता है, इन दोनों बातों का मेल कई कारणों पर निर्भर करता है। क्या हैं वे कारण? चलो जानते हैं कि गाँव में दुकानदार कैसे अत्यधिक दाम पर चावल बेचते हैं?